University in News on 23 February 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 3

बीबीएयू, भाषा विवि को मिले पांच-पांच करोड़

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने विश्वविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए बजट का प्रावधान किया है। इससे परियोजनाएं समय से पूरी होंगी और इनका लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। वहीं, लखनऊ विश्वविद्यालय में युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के लिए गठित स्वरोजगार पीठ को भी गति देने के लिए दो करोड़ का प्रावधान किया गया है। विश्वविद्यालय में पिछले साल गठित इस पीठ के तहत समय-समय पर विशेषज्ञों के साथ संवाद का आयोजन किया जाता है। इस वित्तीय वर्ष में भी बजट मिलने से इस कार्यक्रम को गति देने में सहायता मिलेगी। इसी क्रम में

लविवि की महात्मा गांधी स्वरोजगार पीठ को दो करोड़

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में बन रहे सावित्री बाई फुले गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण के लिए पांच करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हॉस्टल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। कोविड प्रोटोकॉल के तहत जब हॉस्टल के एक कमरे में एक ही विद्यार्थी के रहने की व्यवस्था है, ऐसे में इस हॉस्टल के बन जाने से छात्राओं को काफी राहत मिलेगी। वहीं, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बन रहे एकेडमिक ब्लॉक के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए भी पांच करोड़ का प्रावधान किया गया है। अभी कुछ दिन पहले ही इसके लिए पांच करोड़ की एक किस्त शासन की ओर से जारी की गई थी। इस पैसे के मिल जाने से चार मंजिला बिल्डिंग का निर्माण कार्य पूरा हो सकेगा और विद्यार्थियों के लिए क्लास और लैब की कमी पूरी होगी।

सैनिक स्कूल में बढ़ेंगी बालिकाओं की सीटें

लखनऊ। सरोजनी नगर स्थित कैप्टन मनोज कुमार पांडेय उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल में अगले वर्ष से बालिकाओं की सीटों में बढ़ोतरी हो सकती है। प्रदेश सरकार की ओर से यहां पर बालिका कैडेट के लिए 150 की क्षमता वाले छात्रावास का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए बजट में 9 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रजिस्ट्रार ले. कर्नल उदय प्रताप सिंह ने बताया कि वर्तमान में 60 बालिकाएं यहां पढ़ रही हैं। छात्रावास की क्षमता बढ़ने से सीटों में भी वृद्धि होगी। वहीं यहां पर 1,000 क्षमता वाले ऑडिटोरियम का भी निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए 6 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

राजकीय विद्यालयों के पूरे होंगे अधूरे निर्माण : राजकीय विद्यालयों के अधूरे निर्माण कार्य अब और तेजी से पूर्ण होंगे। इसके लिए बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत करीब तीन राजकीय हाईस्कूल और एक राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का निर्माण अभी पूरा नहीं हो सका है। बजट में प्रावधान के बाद बचे हुए कामों में अब धन की कमी नहीं होगी।

HINDUSTAN PAGE 11

लविवि में जेंडर बजटिंग पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में जेंडर बजटिंग पर सोमवार से तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। यूजीसी सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज इन सोशल वर्क समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में कई विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी।

अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष व विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने जेंडर बजटिंग के महत्व और जेंडर बजट व आम बजट के बीच अंतर पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि पद्मश्री बृजेश कुमार ने लखनऊ विश्वविद्यालय में किए जा रहे प्रयास की सराहना की। प्रोफेसर एके भारतीय, सह समन्वयक डॉ. गरिमा सिंह मौजूद थे।

थर्ड सेमेस्टर जूलॉजी की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 27 से

लखनऊ। बीएससी तीसरे तथा पांचवें सेमेस्टर की जूलॉजी प्रैक्टिकल परीक्षा 27 फरवरी से 7 मार्च के बीच होगी। वहीं अन्य विषयों की परीक्षाएं 3, 4, 5, 6 व 7 मार्च को होंगी।

DAINIK JAGRAN PAGE 4

प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने वाला बजट

● प्रो. आलोक कुमार राय

उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021-22 का बजट प्रस्तुत किया है। प्रथम दृष्टया इस बजट का प्रमुख उद्देश्य आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की अवधारणा को मूर्त रूप देना जान पड़ता है, जो चार प्रमुख स्तंभों के विकास पर आधारित है। पहला अवस्थापना का विकास, दूसरा जनस्वास्थ्य, तीसरा मानव संपदा तथा सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का विकास और चौथा कृषि एवं इससे संबंधित गतिविधियों का विकास। साथ ही यह बजट सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को भी भेदित करता है। यह मुख्य रूप से युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केंद्रित है।

कृषि तथा किसान की समाज व व्यवस्था में प्रमुखता के दृष्टिगत, बजट को भी केंद्रीय भूमिका में रखा गया है। किसानों की आय को वर्ष 2022 तक दोगुना करने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 से आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना का प्रस्ताव है। किसानों को मुफ्त पानी की सुविधा एवं रियायती दाम पर लोन देने का भी प्रस्ताव है। शिक्षा को कौशल विकास व रोजगार जोड़ने के विशेष प्रयास दिखते हैं। बजट में समाज के सीमांत लेकिन महत्वपूर्ण वर्ग के विकास पर सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। शिक्षा के साथ स्वास्थ्य को भी सरकार ने अपनी बजट की प्राथमिकता में रखा है। आधारभूत संरचना के अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष योगदान की महती भूमिका को सरकार ने स्वीकार किया और बजटीय आवंटन में एक्सप्रेस-वे, हवाई अड्डे तथा मेट्रो परियोजना पर आवंटन के माध्यम से बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह रोजगार के अवसरों और राज्य के विकास को बढ़ाएगा।

(लेखक लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति हैं)

JAGRAN CITY PAGE III

'योग से ही उत्तम स्वास्थ्य संभव'

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं क्रीड़ा भारती अवध प्रांत द्वारा सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित शिवाजी क्रीड़ांगन में योग उत्सव 2021 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी, सदस्य विधान परिषद एवं क्रीड़ा भारती अवध प्रांत के अध्यक्ष अवनीश सिंह और कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय मौजूद रहे। इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी ने योग की महत्ता बताई। कहा, योग से ही उत्तम स्वास्थ्य संभव है।

योग उत्सव में फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के विद्यार्थी दीपिका, ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, प्रतिष्ठा और निखिलेश वासुदेव ने योग सिखाया। इसमें ग्रीवा शक्ति, विकसित क्रिया, ताड़ासन, धनुरासन, सूर्य नमस्कार सहित 20 आसन सिखाये गए। इसके साथ ही लोगों को अनुलोम विलोम, कपालभाती का भी अभ्यास कराया गया। योग में बड़ी संख्या में छात्र, बुजुर्ग व शिक्षक भी शामिल हुए। योग उत्सव में यूपी ओलंपिक एसोसिएशन के सह सचिव आनंद किशोर, लविवि के डा.नीरज जैन, फैकल्टी आफ योगा एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के इंचार्ज प्रो. नवीन खरे, कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव भी मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिवाजी क्रीड़ांगन में आयोजित योग उत्सव में युवाओं के साथ योग करते क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी (बाएं से पहले) ● जागरण

योग करते विधान परिषद सदस्य अवनीश सिंह (दाएं से पहले) ● जागरण